SANT LAL RAVAT (Asstt. Prof.) Deptt. of Education
N.A.S.

M.Ed. II Sem.

UNIT – V – Emerging – Trends in Teacher Education Total Quality managment in teacher Education

शिक्षक शिक्षा में उभरते रुझान, शिक्षक शिक्षा में कुल गुणवत्ता प्रबन्धन :→

"पतंजलि परमात्मा के गुरु के रूप में देखते हैं स एक पूर्णमापि गुण अपने जो प्राचीन ज्ञानी हो गये हैं उनका वह गुरु है। किसी भी धर्म गुण में परमात्मा के गुरु रूप में नहीं भेद रखा गया, पिता लोकस्य - पिता के रूप में माता के रूप में वह आता है। लेकिन योग शास्त्र ने गुरु (शिक्षक) के रूप में देखा है। परमात्मा गुरु रूप तो है ही, वह परम गुरु है। वह हम सबको शिक्षा देता है। वैसे ही हमें उसका अनुकरण करके सिखना सिखाना है।"

— विनोबा भावे.

भारत में शिक्षक शिक्षा के विकास-क्रम को 5 भागों में बाँटा जा सकता है।–

1. प्राचीन काल में शिक्षक शिक्षा
2. बौद्ध काल में शिक्षक शिक्षा
3. मुस्लिम काल में शिक्षक शिक्षा
4. ब्रिटिश काल में " "
5. आधुनिक काल में " "

1. स्वाधीन भारत में सर्वप्रथम 1948 में राधाकृष्णन आयोग बना जिसमें शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी सिफारिशें दिया
2. माध्यमिक शिक्षा आयोग - 1952-53
3. कोठारी कमीशन 1964-66 – शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान
4. राम मूर्ति (आचार्य) समिति 1990
5. जनार्दन रेड्डी समिति (रिव्यू राष्ट्रीय शिक्षा नीति) 1992
6. नई शिक्षा नीति

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद आदि सभी ने शिक्षक शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु सुझाव दिये हैं।

Scanned by CamScanner

स्वरूप :-

(A) पूर्व प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण - (मान्टेसरी, किण्डरगार्टन तथा नर्सरी)

(B) प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण - (बी॰टी॰सी॰, J.B.T.C. J.B.T. Anl)

(C) माध्यमिक शिक्षक प्रशिक्षण - (B.Ed. L.T.)

(d) शिक्षक शिक्षा के उन्नत रूप - (M.Ed. एम॰ फिल.)

(e) विशेष प्रशिक्षण - (कृषि, गृहविज्ञान, आर्ट एवं क्राफ्ट आदि के लिए Sp. B.Ed)

(f) विकलांग (दिव्यांग) शिक्षण प्रशिक्षण (नेत्रहीन, मूकबधिर तथा अन्य विकलांगों)

उद्देश्य :-

1- मानव मूल्यों का विकास
2- सामाजिक परिवर्तन का साधन
3. मार्गदर्शन
4- सम्पर्क सूत्र
5- प्रत्यावर्तन
6- विकास व अभिवृद्धि
7. शोध तथा अन्वेषण
8. ज्ञान तथा कौशल

शिक्षक शिक्षा की आधारभूत धारणायें :-

(1) मानव की प्रगति
(2) शिक्षक शिक्षा की भूमिका
(3) कोर पाठ्य क्रम
(4) भिन्नता का पक्ष
(5) शिक्षक शिक्षा के तत्व
(6) शिक्षक शिक्षा के केन्द्रबिन्दु
(7) स्पष्ट अवबोध
(8) सफल कार्यक्रम
(9) तीन विशेषतायें (A) प्रासंगिकता (B) लोचनीयता (C) अन्त विद्या विषयक
(10) पाठ्यक्रम (विषय कोर्स व विधियों का कोर्स) थ्योरी पाठ्यक्रम

अध्यापक शिक्षा प्रसार :-

(1) प्रशिक्षण की सुविधायें -
(2) सेवा कालीन प्रशिक्षण -
(3) शैक्षिक योग्यतायें
(4) संस्थाओं का सम्बन्धीकरण
(5) पाठ्य क्रम सुधार

Scanned by CamScanner

6- प्रवेश के मानदण्ड -
7- पूर्व सेवा कालीन प्रशिक्षण -
8- अप्रशिक्षित अध्यापकों का प्रशिक्षण -
9- गति निर्धारक संस्थान -
10- शिक्षक कल्याण -
11- शिक्षक शिक्षा का संगठन -

शिक्षक शिक्षा के गुणात्मक सुधार -

(A) विषय ज्ञान का पुनर्अभिनयन
(B) व्यवसायिक शिक्षा का उपयोगीकरण
(C) शिक्षण एवं मूल्यांकन पद्धतियों का विकास
(d) छात्र शिक्षक शिक्षण में सुधार
(e) विशेष पाठ्यक्रम का विकास
(f) पाठ्य का संशोधन एवं विकास

शिक्षक शिक्षा में हुए नवाचारों एवं नवीन दृष्टिकोण विकसित करने का आधार -

(A) स्वतंत्रता पूर्व की अवधि
(B) स्वतंत्रता के बाद की अवधि

बदलाव से	बदलाव की ओर
(a) शिक्षक केन्द्रित, स्थिर डिजायन	(a) विद्यार्थी केन्द्रित, लचीली प्रक्रियाएं
(b) शिक्षक के निर्देश और निर्णय	(b) विद्यार्थी की स्वायत्तता
(c) शिक्षक का मार्ग दर्शन और अवलोकन	(c) सीखने को सरल बनाना
(d) स्तरह में सीखना	(d) सहयोगी अधिगम
(e) विद्यार्थी ग्रहणशीलता	(e) सीखने में विद्यार्थी की भागीदारी
(f) दिया गया स्थिर ज्ञान	(f) विकसित होता ज्ञान
(g) ऐकिक अनुभव	(g) विविध अनुभव
(h) सीखने के एक जैसे कार्य	(h) सीखने के व्यक्तिगत तरीके
(i) विषय केन्द्रित	(i) शिक्षा केन्द्रित (बहुविषय केन्द्रित)

Scanned by CamScanner

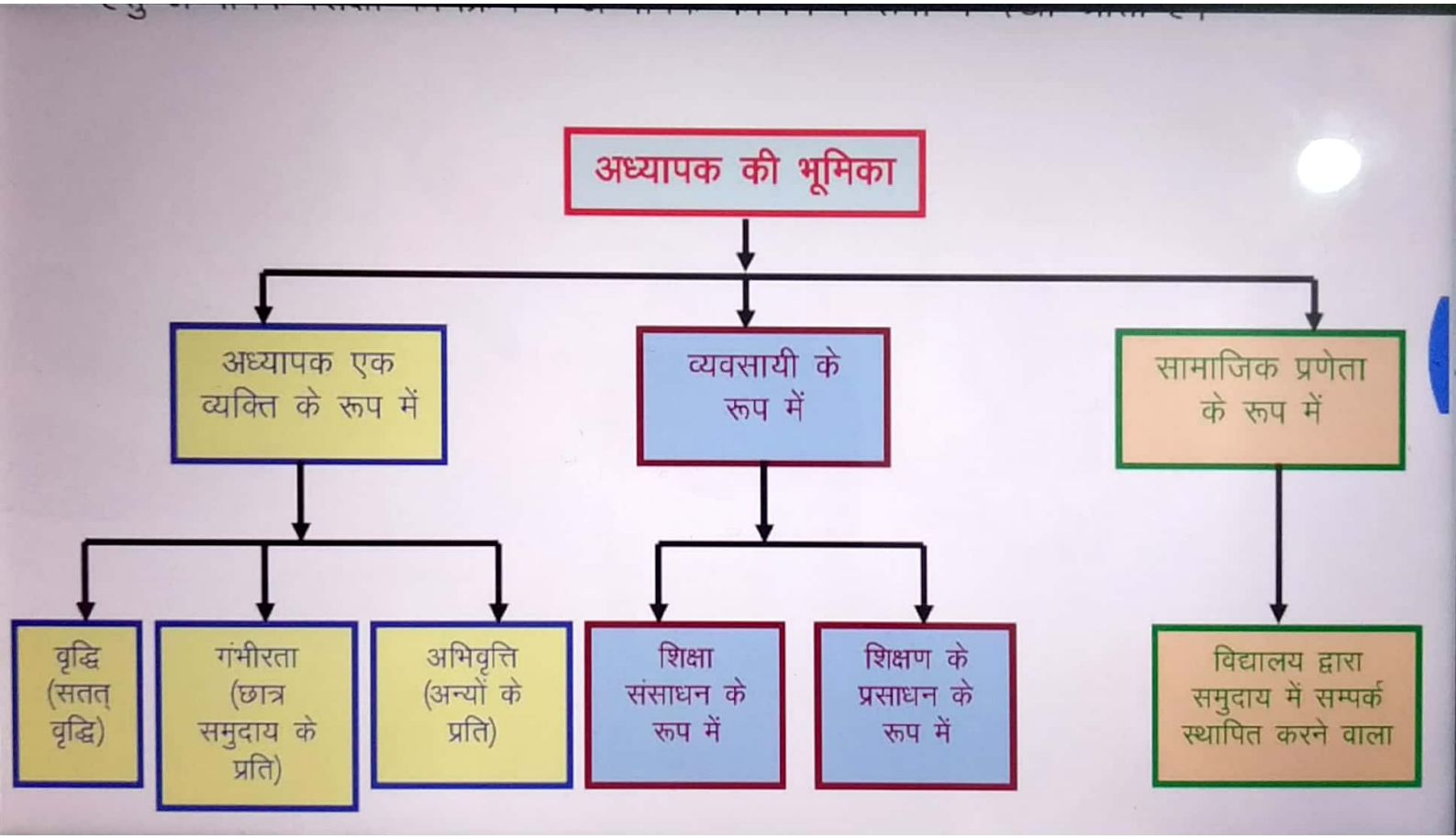

Scanned by CamScanner

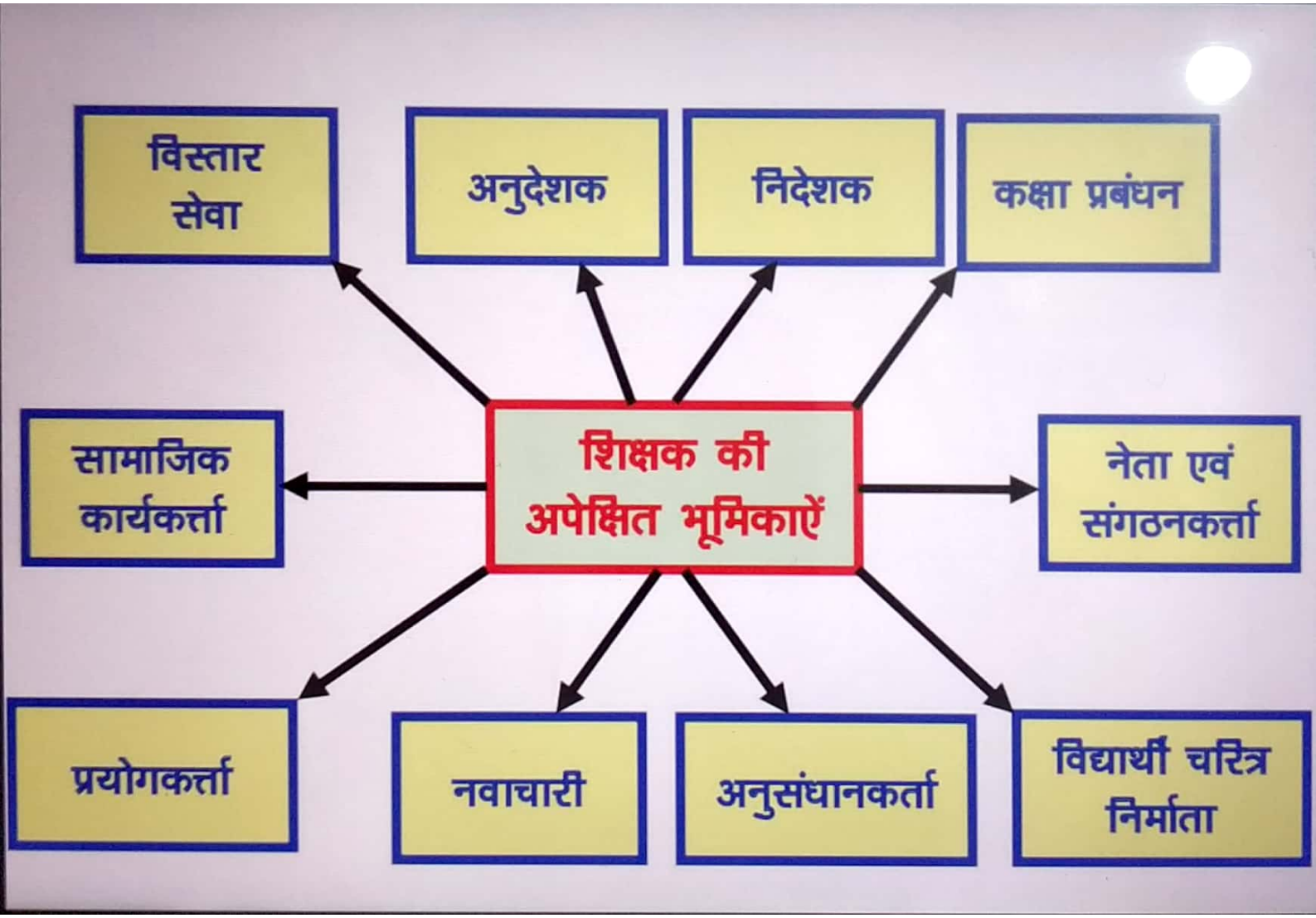

Scanned by CamScanner

उदा० → TQM-

शिक्षा में कुल गुणवत्ता प्रबन्धन, एक प्रबन्धन का सिद्धान्त है: जैसे ग्राहकों की आवश्यकताओं और संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सभी संगठनात्मक कार्य (वित्त, डिजाइन, इन्जीनियरिंग विपणन, उत्पादन व ग्राहक सेवा) को एकीकृत करता है। कुल गुणवत्ता प्रबन्धन संगठन (क्षेत्र) को सक्षम बनाने के लिए हर कक्षा का शिक्षक शिक्षार्थी व उससे जुड़े अन्य अधिकारी गण को पूर्ण अधिकार देता है ताकि वे अपने से सम्बन्धित उत्पाद व सेवाओं में सुधार चैनलों के माध्यम से उचित प्रक्रियाओं द्वारा प्रबन्धन व गुणवत्ता निश्चित रूप से बनाये रखने के लिए जिम्मेवारी ले। लेकर जैसी सरकारी एजेन्सियों ने स्कूल से निर्माण कम्पनियों ने निर्माण केन्द्र से लेकर सत्य अनुक्रम। शिक्षकों के कक्षा कक्ष में अपनायी जानी वाली कार्य विधियों, छात्रों में ज्ञान के मूल्यांकन व निर्धारण, विद्यालयी संस्था, विद्यालयी प्रभावशीलता एवं सामाजिक सहभागिता से सम्बन्धित मुद्दों पर कार्य किया जाता है।

① अध्यापक :→ explain
② कक्षा कक्ष में अपनाई जाने वाली कार्य विधियां
③ मूल्यांकन
④ विद्यालय प्रभावशीलता
⑤ विद्यालय बुनियादी ढांचा
⑥ सामुदायिक भागीदारी

PDCA cycle

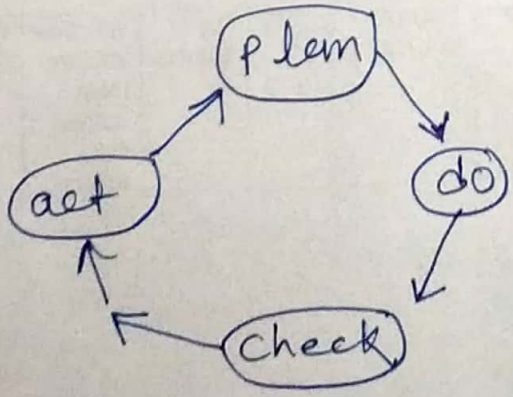

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

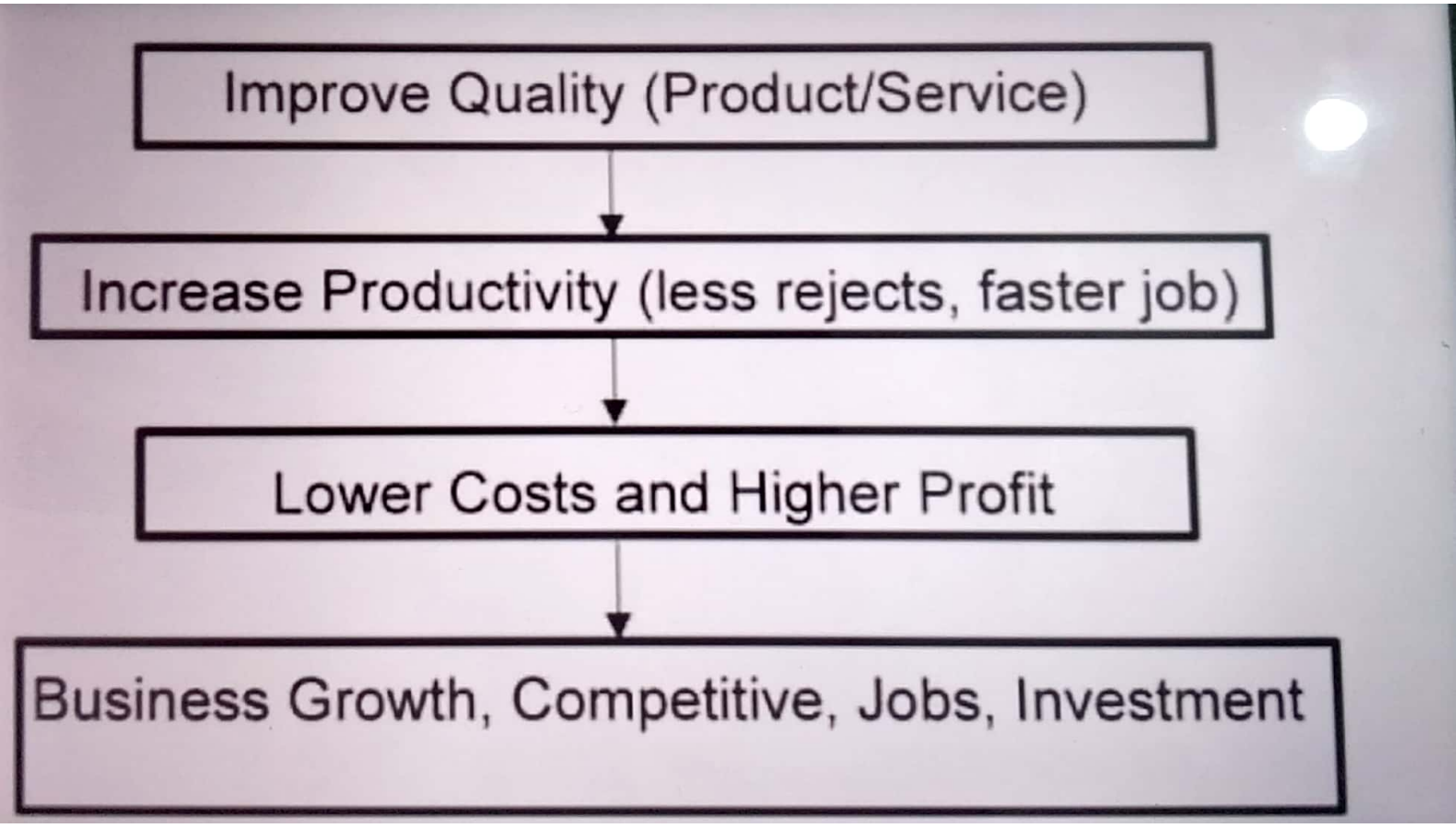

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner